जय गुरू नाना जय महावीर जय गुरू राम

प्रिय अध्यापकगण,

आप सभी को बच्चों का तीन महीने अक्टुबर, नवम्बर, दिसम्बर का कोर्स भेजा जा रहा है। इस कोर्स को 1 जनवरी 2022 से आपको अपनी पाठशाला में लागु करना है और इसके अनुरूप बच्चों को ज्ञान–ध्यान सिखाना है।

त्रैमासिक सिलेबस (दैनिक पाठशाला हेतु)

1. सामायिक सिखने वाले बच्चों के लिए – सामायिक पूर्ण करना है सामायिक के 32 दोष एवं लेने पारणे की विधि, 3 मनोरथ, 5 अभिगम, श्रावक का वचन व्यवहार, ज्ञान सिखने के पहले व बाद का पाठ, 24 तीर्थंकर के नाम, 9 आचार्यों के नाम, नव तत्व, सात कुव्यसन, ज्ञान हानि व वृद्धि के कारण सीखना

2. प्रतिक्रमण सिखने वाले बच्चों के लिए – इच्छामि खमासमणों तक प्रतिक्रमण, जैन सिद्धांत बतीसी के 15 बोल, रामेश चालीसा की 20 लाइन सीखना

3. जिन बच्चों का प्रतिक्रमण इच्छामि खमासमणों तक हो गया है– उनको प्रतिक्रमण बड़ी संलेखना तक,जैन सिद्धांत बतीसी के 10 बोल और रामेश चालीसा की 20 लाइन सीखनी है

4. जिन बच्चों का प्रतिक्रमण प्रतिक्रमण बड़ी संलेखना तक हो गया है – प्रतिक्रमण पूर्ण करना, जैन सिद्धांत बतीसी के 10 बोल करना और भक्तामर की 16 गाथा सीखनी है

5. जिन बच्चों का प्रतिक्रमण पूर्ण हो गया है – उनको जैन सिद्धांत बतीसी के 15 बोल, भक्तामर की 16 गाथा और 9 आचार्यों का जीवन परिचय, रामेश चालीसा की 20 लाईन व प्रतिक्रमण की विधि याद करना

6. जैन सिद्धांत बतीसी के 16 से 32 बोल, भक्तामर की 16 से 26 गाथा, रामेश चालीसा की 21 से 40 लाईन, सचित–अचित, सुपात्र दान

7. 50 थोकडे (न्यु) के 1,11,12,13,19 थोकडे, बारह भावना, भक्तामर की 27 से 48 गाथा व जैन सिद्धांत बतीसी पुर्ण

विशेष यह है कि सभी पाठशालाओं के लिए हमनें ये एक नवीन पहल की है और आपको अपनी पाठशाला में इसे प्रभावी रूप से लागु करना है। आशा करते है कि हमेशा की तरह आपका सहयोग हमें मिलेगा ताकि हम चाहे गये लक्ष्य को प्राप्त कर सके।

पुजा शाह
राष्ट्रीय संयोजिका समता संस्कार पाठशाला